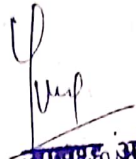


<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख आह्वान जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए</p>
------------------------	--	---

12/18/24

पत्रावली पेश हुई। वकील चार्ज उपस्थित।
आपसे 7/1, 7/3, 7/4 अनुपस्थित। तीन बार
आवाज लगायी; लेकिन कोई भी उपस्थित
नहीं। इस आपसे 7/1, 7/3, 7/4 के विरुद्ध
एक पक्षीय कार्यवाही की जाती है। आपसे 9
का जवाब इससे बन्द किया जाता है।
बदल सूनी गयी। पत्रावली वाले आदेश प्रा०
पत्र द्वारा 212 R-T Act हेतु दि. 22/01/25
को पेश है।


ज.प. सिंह, अधिकारी
पिड़ावा, जिला झालावाड़ (राज.)

22/01/25

पत्रावली पेश हुई। आर्ज प्रार्थी उपस्थित। बदल प्रा०
पत्र के परिपेक्ष्य में पत्रावली का अवलोकन किया
गया। धारा - 212 RT Act समर्पित आदेश 39 नियम
182 cpc के प्रा० पत्र को adjudicate करने में
लिगे निम्न 03 बिन्दुओं पर ध्यान आवश्यक है:-

(अ) प्रकरण प्रथम दृष्टया :- आर्ज प्रार्थी द्वारा बदल
के दौरान कथन किया कि ग्राम संगारिया हाल तल्ली
पिड़ावा की वाडग्रस्त आसपी ख० न० 1133 ख० 2-0-
बीछा में से सरस्वतीदेव - अप्राधान्य के पिता/पति -
गोरधन सिंह ने वर्ष 2002 में 1/3 हिस्सा 40000/- रुपये में
बैचान कर कठला संभला दिया था। उन्हीं से प्रार्थी
वाडग्रस्त हिस्से पर लगातार शांतिपूर्ण कब्जेगोशत
चला आ रहा है अतः प्रकरण प्रथम दृष्टया
प्रार्थी के पक्ष में है।

पत्रावली के अवलोकन से जाहिर है



तारीख
हुयम

हुयम या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज

कि गोरक्षा सिंह द्वारा प्रार्थी को राबिंद्रा कराने का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। प्रार्थी द्वारा एक अप्रमाणित, अनिश्चित बंधन इकरार की photocopy पेश की है जिसमें हिस्सा 3 के बंधन का कथन संपत्ति का प्रकार है। प्रार्थी द्वारा sale agreement के गवाहों के साक्ष्य/बंधन भी पेश नहीं किए हैं, original sale agreement भी पेश नहीं किया है। possession transfer होने या आने पर वर्षों से कथन होने का भी कोई documentary or oral evidence पेश नहीं किया है। उक्त unregistered sale agreement की photocopy में 40000/- रुपये का consideration amount संज्ञित है जबकि The Registration Act 1908 का धारा-17 के अनुसार Rs 100/- से अधिक की immovable property का registration अनिवार्य है। अतः प्रकरण प्रथम दृष्टया प्रार्थी के पक्ष में पक्ष के अभाव से साबित नहीं है।

(ब) सुविधा का संतुलन :- अप्रार्थी/Recorded

Khatedar tenants हैं और मौके पर कथन के सम्बन्ध में कोई संतोषजनक साक्ष्य प्रभावली पर पेश नहीं है। Sale agreement भी unregistered और uncertified है। अतः प्रार्थी के पक्ष में असाई निबंधना जारी करने से प्रार्थी के कार्ड खातेदारों के प्राथमिक सुविधा होगी। कार्ड खातेदार के विरुद्ध बिना strong evidence के temporary injunction जारी करना उचित नहीं है। अतः प्रकरण में सुविधा का संतुलन प्रार्थी के पक्ष में साबित नहीं है।

(स) अपूरणीय हानि :- जब प्रकरण प्रथम दृष्टया प्रार्थी के पक्ष में साबित नहीं है और



<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर य तारीख अडकाम जो इस हुक्म की तारीख में जारी हुए</p>
------------------------	--	--

दुबिधा का सन्तुलन की प्रार्थना के पक्ष में कही गई
की प्रार्थना को सख्खीय इति कारित की गई
सकती है।

उपरोक्त निवेदन व निरलेका के
प्रकार पर प्रार्थना का प्रारंभ 4/12/2019
ज.न. 039 R152 C PC जारीत किया जाता है।
पत्रावली केसलसुमार होकर मेष (केस)
होकर मूल पास के साथ संलग्न है।



[Signature]
उपखण्ड अधिकारी
पिठावा, जिला आलावाड़ (राज.)